एक नजर में

जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जोबट शत प्रतिशत एवं आलीराजपुर 99 .85 कार्य में गणना पत्रक प्राप्त किए जा चुके

आलीराजपुर ।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नीतू माथुर ने बताया कि जिले मे विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत निरंतर कार्य जारी है, जिले में किए जा रहे कार्य की समीक्षा समय समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी की जा रही थी, जिसके परिणामस्वरूप विधानसभा क्षेत्र 191 आलीराजपुर का ओवरऑल कार्य 99.85 पूर्ण किया जा चुका है और विधानसभा क्षेत्र 192 जोबट जो कि शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, आगामी दिनों में निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार कार्य किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती माथुर ने जिले के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी , जमीनी अमले बीएलओं , पटवारी, चौकीदार , सचिव एवं अन्य कर्मचारियों की इस कार्य के लिए प्रशंसा की और कहा की राज्य स्तर पर भी बीएलओं को सम्मानित किया जा सके इसके लिए मुख्यालय से पत्र भेजा जाएगा ताकि उनके द्वारा किए गए कार्य से अन्य कर्मचारी भी प्रेरणा ले सके।

जिले में खाद वितरण का सतत निरीक्षण जारी

आलीराजपुर । कलेक्टर नीतू माथुर ने बताया कि जिले में

कृषकों को खाद वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की समस्या न हो इस बात का विशेष ध्यान देने के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को अपने कार्य क्षेत्र में दायित्व सौपा गया कर समस्त खाद वितरण केन्द्र का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। खाद वितरण प्रणाली से जुड़े समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है अत्यधिक भीड़ होने पर टोकन व्यवस्था की जाए एवं परिस्थिति अनुरूप खाद वितरण प्रणाली का संचालन सुचारू रूप से किया जाए ।किसी भी स्थिति में कृषकों को परेशानी न हो इस बात का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए ।उन्होंने सभी कृषकों से आह्वान किया है कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है, सभी कृषकों को पर्याप्त मात्रा खाद उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर माथुर के निर्देश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार खाद वितरण केंद्रों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है।

जिला चिकित्सालय परिसर में डीडीआरसी केंद्र का शुभारंभ

आलीराजपुर ।सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय परिसर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष हजरी बाई खरत की उपस्थिति में किया गया। नए स्थापित डी.डी.आर.सी केंद्र के माध्यम से जिले के दिव्यांगजनों को समग्र पुनर्वास सेवाएं प्रदान की जाएंगी। केंद्र में शारीरिक एवं व्यावसायिक पुनर्वास, कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने, शिक्षा एवं प्रशिक्षण देने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं और ऋण संबंधी जानकारी भी दी जाएगी। केंद्र की स्थापना से दिव्यांगों को आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

आलीराजपुर । संचालक राज्य शिक्षा केंद्र एवं आयुक्त, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण भोपाल के निर्देशानुसार विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला क्रीड़ा परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती हजरी बाई खरत की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिले के सभी विकास खंडों के दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न खेल गतिविधियों में सहभागिता की गई। कार्यक्रम उपरांत जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जयपाल सिंह जी खरत की उपस्थिति में विजेता छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान जिले के छात्र-छात्राएं , शिक्षक एवं पालक अभिभावक सहित डिप्टी कलेक्टर सुश्री निर्मला कलमे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोपाल शरण प्रजापति, श्री जयपाल खरत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति में किया गया।

बाल विवाह रोकथाम जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

आलीराजपुर । महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि शासकीय महाविद्यालय भाबरा (चन्द्रशेखर आजाद नगर) में बाल विवाह रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यालय में जिला समन्वयक ममता यूनीसेफ के द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, के अंतर्गत विवाह के समय लड़के की उम्र 21 वर्ष एवं लड़की की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए नाबालिक उम्र में विवाह करने से उनके शारीरिक, मानसिक, आर्थिक इत्यादि रूप घातक होता है। बाल विवाह करने वाले को 02 वर्ष का कारावास अथवा 1 लाख रुपये का जूर्मना अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है। बाल विवाह कानूनी अपराध है, इसके लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 प्रभावी है। बाल विवाह होने की स्थिति में शिकायत किसे कि जाती है, के बारे में बालक एवं बालिकाओं को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस हेल्पलाइन 112 के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में शासकीय महाविद्यालय भाबरा के प्राचार्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी , आउटरीच कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

आदिवासी बालिका से दुष्कर्म मामले में भड़का हिंदू समाज

- प्रशासन को दिया 2 दिन का अल्टीमेटम नहीं तो होगा चरणबद्ध आंदोलन
- जोबट में आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की मांग की, ज्ञापन सौंपा
- दो दिन का अल्टीमेटम... नगर बंद, सड़कों पर उमड़ा हिंदू समाज

जोबट। मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य आलीराजपुर जिले के जोबट में रविवार को नाबालिग आदिवासी बालिका और उसकी बहन के साथ दुष्कर्म, लव जिहाद और धर्म परिवर्तन के दबाव वाले मामले में लगातार हिंदू समाज में आक्रोश बढ़ता दिखाई दे रहा है। घटना के विरोध में बुधवार को नगर पूरी तरह से बंद रहा हिंदू समाज का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा जनजाति विकास मंच के आव्हान पर सकल हिंदू समाज के लोग बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर आए और विशाल आक्रोश रैली निकालकर प्रशासन को सीधे तौर पर 2 दिन का अल्टीमेटम दिया है समाज की एक ही मांग है तीनों आरोपियों के अवैध निर्माण और घरों पर तत्काल बुलडोजर चलाया जाए

आक्रोश रैली में शिवालय प्रांगण से तहसील कार्यालय तक गूंजे जय-जय सियाराम के नारे

सुबह 10 बजे से ही शिवालय प्रांगण में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के हिंदु समाज के लोग जुटना शुरू हो गए थे। इसके बाद आक्रोश रैली शिवालय प्रांगण से निकली और गांधी चौक, अटल चौक, सुभाष मार्ग, लक्ष्मीगंज, श्री कृष्णा चौपाटी होते हुए बड़े बस स्टैंड से तहसील कार्यालय पहुंची। आक्रोश रैली के दौरान 'जय-जय सियाराम, भारत माता की जय, नारी के सम्मान में हम मैदान में, धर्म परिवर्तन बंद करो और 'दुष्कर्म आरोपियों को फांसी दो' जैसे नारे लगातार गूंजते रहे।

पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड़ मे कई थानों का फोर्स रहा जोबट में तैनात-नगर बंद और आक्रोश रैली को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट रहा जोबट एसडीओपी रविंद्र राठी के नेतृत्व में जोबट के दबंग टीआई विजय वास्कले, टीआई नेपाल सिंह चौहान, टीआई राजेश डावर, टीआई आशा बामनिया, मोहन डावर सहित पुलिस बल तैनात रहा। डीआरपी लाइन और अन्य थानों से अतिरिक्त फोर्स बुलाया गया था।बल पूरे समय मुस्तैद रहा।

*एसडीएम को सौंपा ज्ञापन—दो दिन में बुलडोजर कार्रवाई की मांग, नहीं तो आंदोलन तहसील कार्यालय में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम वीरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें मांग की गई नाबालिग आदिवासी बालिका और उसकी बहन पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव डालने और मारपीट करने और दुष्कर्म के आरोपी इमरान, अहमद शेख और अमजद खत्री के अवैध निर्माणों पर तत्काल बुलडोजर कार्रवाई की जाए।

बाहरी क्षेत्र से आकर बस रहे परिवारों की जांच की मांग

ज्ञापन में एक और मांग की गई कि पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में बाहर से आये मुस्लिम समाज के लोग जोबट में आकर बस गए हैं। इसकी गहनता से जांच की जाए वही आरोप है कि इनमें से कई लोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं और इन्होंने फर्जी तरीकों से राशन कार्ड और वोटर लिस्ट में नाम जुड़वा लिए है। मांग की गई है कि अवैध पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई हो और फर्जीवाड़ा करने में शामिल अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ भी तत्काल एक्शन लिया जाए। जोबट की यह गंभीर घटना अब पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई है। प्रशासन द्वारा अगले 48 घंटों में क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर पूरे क्षेत्र की निगाहें टिकी हुई हैं।

इस आक्रोश रैली में जनजाति विकास मंच के जिलाध्यक्ष राजेश डुडवे, सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद डावर, हिन्दू युवा जनजाति जिलाध्यक्ष रोशन पचाया, बीजेपी के जिलाध्यक्ष मकु परवाल सहित विशाल रावत, कमरू अजनार, कादु सिंह डुडवे, राजेन्द्र टवली, राजू मुवेल, देवेन्द्र श्री वास्तव, रघुनंदन शर्मा, सुरपाल अजनार, गोविंदा गुप्ता, भरत माहेश्वरी, मुलेश बघेल, नरेन्द्र मंडलोई, जितेंद्र गुजराती, सुनिल खेड़े, सरपंच अरविंद डावर, विजय चौहान, नुरसिह मौर्य, शांतिलाल वाणी, रविकांत माहेश्वरी, प्रदीप जैन, नितेश अग्रवाल, लल्ला पारिक, योगेन्द्र श्री वास्तव, संजय वाणी, अमन मंडलोई, तरुण जैन, मोसम डावर, गुड्डू ठाकुर, दीपक महाजन, गजेन्द्र राठौड, संदीप जैन, मनोज प्रजापत, शुभम श्री वास्तव, मोहित जैन, विनय ठाकुर सहित बड़ी संख्या में हिंदू समाजजन उपस्थित थे।

नगरपालिका कार्यालय परिसर में सफाई वाहन, ट्रैक्टर ट्रॉली, टैंकर, फायर ब्रिगेड खा रहीं धूल

- रिपेयरिंग कार्य एवं निलामी के अभाव में अनुपयोगी साबित हो रहे

झाबुआ। नगरपालिका परिषद् झाबुआ के कार्यालय परिसर में अनेको वाहन इन दिनों पड़े-पड़े धूल खा रहे है। इन वाहनों का समय पर मेनटेनेंस एवं रखरखाव नहीं होने से भंगार हो रहे है। नगरपालिका प्रशासन को या तो इन वाहनों को निलामी की जाना चाहिए या फिर रिपेयरिंग कार्य करवा कर दुरस्त करवाया जाना आवश्यक है।

नगरपालिका कार्यालय परिसर में इन दिनों 2-3 सफाई वाहन, 1 फायर बिग्रेड, 2 ट्रेक्टर ट्राली एवं 3-4 पानी के टेंकर धूल खाने के साथ सड़ चुके है। इनका उपयोग किसी भी काम में नहीं आ रहा है। वाहनों पर जंग लगने के साथ जगह-जगह से टूट-फूट रहे है। नगरपालिका कार्यालय में यह वाहन पिछले कई दिनों से पड़े हुए है, लेकिन ना तो नपा के जनप्रतिनिधियों और ना ही अधिकारियों का इस ओर ध्यान जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नगरपालिका द्वारा वाहनों के समय पर रिपेयरिंग एवं रखरखाव कार्य नहीं करवाने के चलते ही विगत दिनों शहर के राजगढ़ नाका पर एक मृत गौमाता को दफनाने हेतु ले जा रहीं नपा की जेसीबी मशीन का बीच सड़क पर ही टायर निकल गया और उसे टोचन कर ले जाना पड़ा।

पर्याप्त बजट के बाद भी रखरखाव की ओर ध्यान नहीं-नगरपालिका को सफाई वाहन एवं अन्य वाहन नगरीय प्रशासन विभाग भोपाल से प्राप्त होते है और इनके मेनटेनेंस और रखरखाव के लिए नपा के पास पर्याप्त बजट होने के बावजूद ध्यान नहीं देना लापरवाही को उजागर करता है। नगरपालिका कार्यालय परिसर में ही ट्रेक्टर ट्रालियों में कूड़ा-कचरे भरे वाहन भी दिनभर खड़े रहते है। स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान को जोर-शोर से चलाने वाली नगरपालिका परिषद् अपने कार्यालय परिसर को स्वच्छ और सुंदर नहीं रख पा रहीं है, यह बड़ी विडंबना है !

अवैध शराब के विरुद्ध झाबुआ पुलिस का 'ऑपरेशन प्रहार'

- शराब तस्करी की बड़ी खेप पकड़ी, लगभग पौने दो करोड़ का मशरूका जप्त

झाबुआ. थाना कोतवाली झाबुआ पुलिस द्वारा अवैध शराब परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक टाटा ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को सूचना मिली कि ट्रक क्रमांक ख्क्र09 ॥त3449 इंदौर से गुजरात की ओर अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा इंदौर-अहमदाबाद हाईवे (ह॥-47) फुलमाल फाटा पर घेराबंदी कर वाहन को रोका गया।

ट्रक की तलाशी में ऊपर से भुसा की बोरियों की आड़ में छिपाकर रखी गई अवैध शराब की पेटियां मिलीं। जांच में लंदन प्राइड प्रीमियम व्हिस्की 130 पेटी, माउंट 6000 बीयर 150 पेटी तथा रॉयल सिलेक्ट डीलक्स व्हिस्की 500 पेटी कुल 7470 बल्क लीटर अवैध शराब पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत ?1,02,05,000/- है।

कैबिनेट मंत्री के प्रयासों से जल्द शुरू होगा बायपास

आलीराजपुर। जिले के इतिहास का एक बड़ा और बहुप्रतीक्षित विकासात्मक अध्याय अब साकार होने जा रहा है। नगर की ट्रैफ़िक व्यवस्था को सुगम बनाने और नगरीय क्षेत्र में भारी वाहनों के दबाव को कम करने के उद्देश्य से आलीराजपुर बायपास निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान और सांसद अनिता चौहान द्वारा लंबे समय से किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम अब सामने आया है। मध्यप्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा आलीराजपुर नगर बायपास निर्माण के लिए 129 करोड़ 19 लाख रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है तथा प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन हेतु मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (MPRDC) को पत्र जारी कर दिया गया है।

स्वरोजगार के लिए दिया प्रोत्साहन प्रशिक्षार्थियों का किया मूल्यांकन

आलीराजपुर. बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान आर सेटी ट्रेनिंग सेंटर आलीराजपुर मे बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रधानमंत्री आवास राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का 30 दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षार्थियों का मूल्यांकन किया गया।

समापन समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा के अग्रणी जिला प्रबन्धक श्री श्याम पाटीदार सर ने प्रशिक्षणार्थियों को शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी एवं उन्हें प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। श्री पाटीदार जी ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस मौके पर आरसेटी के निदेशक श्री विशाल पवार सर, असेसर राधेश्याम राठोड़ के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए, इस प्रशिक्षण को 30 दिवस तक संचालन करने के लिए मुख्य रूप से डोमेन स्किल ट्रेनर राकेश गुंडिया एवं जिला पंचायत से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास विकास योजना के प्रबन्धक श्री प्रहलाद राठोड़ सर का मुख्य योगदान रहा। इस मोके पर कार्यालय सहायक विनोद चौहान ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं संस्थान के सभी स्टाफ मोजूद रहे।

शीघ्र ही महिला सिलाई, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिक मोटर रिपेयरिंग का प्रशिक्षण प्रारम्भ होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 10 दिसंबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं।

एक नजर में

प्रशासन एवं पुलिस नशीले पदार्थों के सेवन, विक्रय, भंडारण पर नहीं लगा पा रहा सख्ती से अंकुश

जिले के युवा लगातार आ रहे नशे की गिरफ्त में, जिले में खुले रूप से बिक रहे नशीले पदार्थ

झाबुआ। जिले में पिछले लंबे समय से नशे का काराबोर तेजी से फल-फूल रहा है। नशे के धंधे में विशेषकर युवा लिप्त होकर अपने जीवन को बर्बाद कर रहे है। स्वयं नशा करने के साथ नशे का काराबोर भी कर रहे है। यह धंधा जिले में तेजी से बढ़ता जा रहा है। प्रशासन एवं पुलिस इस पर पूर्णत: अंकुश नहीं लगा पा रहा है।

जिले में नशे के कारोबार के चलते ही आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि हो रहीं है। नशे के आदि युवक कहीं दुकानों तो कहीं घरों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते दिखाई पड़ते है। राह चलती लड़कियों के साथ छेडछाड़ करने और अश्लील फब्तीयां कसने जैसे कृत्य भी किए जाते है। इस कारण आए दिन युवकों के समूह में विवाद भी होता है। युवकों को नशा करने से रोकने में अभिभावक भी अपनी जिम्मेदारी का पूर्णत: निर्वहन नहीं कर रहे है। युवकों को महंगे मोबाईल, गाड़ी के साथ खुली छूट देने से वे देर रात घर आने के साथ नशील पदार्थों के आदि हो रहे है।

दुर्घटना का ग्राफ बढ़ रहा- नशा कर वाहन चलाने से पिछले कुछ महीनों में दुर्घटनाओं के ग्राफ में भी वृद्धि हुई है। मांस, शराब का नशा कर तेज रफतार से वाहन चलाकर युवक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। वहीं तीन सवारी वाहन चलाने से भी दुर्घटनाएं हो रहीं है। कई बार दुर्घटनाओं में युवकों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ रहा है। युवा पीढ़ी को अभिभावकों और परिवारजनों द्वारा समझाईश एवं सहीं मार्ग दिखाने की बजाय खुली छुट देने से महंगे मोबाईल और गाड़ी उनके जीवन को प्रभावित कर रहे है।

तरह-तरह के किए जाते है नशे-जिलेभर में युवा पीढ़ी तरह-तरह के नशे की आदि हो रहीं है। जिसमें मांस, शराब के साथ नाईट्रावेट, ब्राउन शुगर, गांजा, पेट्रोल और व्हाईट इंक सूंघने जैसे नशे भी चोरी-छुपे किए जाते है। जिससे युवा स्वयं तो अपना कॅरियर चौपट कर रहे है वहीं नशे में लिप्त होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने से दूसरो की जिंदगी को भी खतरे में डाल रहे है। जिला मुख्यालय झाबुआ की बात करे, तो शहर में कई स्थानों पर नशा खुले रूप से होता है। युवकों द्वारा समूह में नशा करने के साथ विवाद करने और मारपीट जैसे कृत्य भी किए जाते है।

प्रशासन एवं पुलिस को सख्त अभियान चलाए जाने की आवश्यकता

नशे के काराबोर पर पूर्णत: अंकुश लगाए जाने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को सख्ती से अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। नशे का सेवन करने और उसके विक्रय, भंडारण पर कोई सख्त धारा या कार्रवाई के अभाव में नशे के आदि युवक पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद जमानत पर रिहा होने के पश्चात् पुन: नशा करने लग जाते है। दूसरी ओर जिले में जुएं-सट्टे का काराबोर भी तेजी से फल-फूल रहा है। प्रशासन एवं पुलिस को ऐसे नशे के आदि युवकों और अपराधिक तत्वों पर सख्ती से शिकंजा कस कर जिलेभर में सख्त कार्रवाई की आवश्यकता प्रतीत होती है।